दिल्ली क्षेत्र के तदर्थ अध्यापकों को आयु में छूट

*578. **श्री गोविन्द राम मिरी :**
श्री के० एस० राजू :

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि;

(क) क्या यह सच है कि केंद्रीय, विद्यालय संगठन ने हाल ही में यह निर्णय लिया है और उसे प्रचारित किया है कि केंद्रीय विद्यालय संगठन, दिल्ली क्षेत्र के समस्त सेवारत तदर्थ और अंशकालिक अध्यापकों को प्राथमिक और प्रशिक्षित ग्रेजुएट अध्यापकों के पदों पर भर्ती के लिए आवेदन करने हेतु पात्रता दे दी जाए, जिनके लिए साक्षात्कार आगामी ग्रीष्म-वकाश के दौरान होने जा रहे हैं, तथा उन्हें आयु-सीमा में छूट भी दी जाए ;

(ख) यदि हां, तो अन्य 17 क्षेत्रों विशेषकर भोपाल के मामले में ऐसा न किए जाने और इस प्रकार प्रशासनिक प्रयोजन से 18 क्षेत्रों में समूहबद्ध केंद्रीय विद्यालयों के तदर्थ/अंशकालिक अध्यापकों के बीच भेदभाव किए जाने के क्या कारण हैं ; और

(ग) क्या यह भेदभाव गैर-कानूनी है ?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) : (क) और (ख) 1993-94 के दौरान, तदर्थ अंशकालिक शिक्षकों को केंद्रीय विद्यालय संगठन के क्षेत्रों में नियमित नियुक्ति के वास्ते उनके मामलों पर विचार करने के लिए आवेदन देने के लिए अवसर दिया गया जिनमें भोपाल क्षेत्र शामिल है जहां भर्ती की गई । तदर्थ/अंशकालिक शिक्षकों को उनकी सेवाओं की सीमा तक आयु में छूट का लाभ दिया गया । इसी प्रकार का अवसर और लाभ, आगामी गरमी की छुट्टियों में दिल्ली क्षेत्र में आयोजित किए जाने वाले साक्षात्कारों के लिए दिल्ली क्षेत्र के तदर्थ/अंशकालिक शिक्षकों को प्रदान किया जा रहा है ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

Transfer of KVS Employees in relaxation of transfer Guidelines

*579. SHRI MISA R. GANESAN:

SHRI SUNDER SINGH BHANDARI:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) what are the details of employees of Kendriya Vidyalaya Sangathan and Kendriya Vidyalaya category, Vidyalaya-wise who have been transferred/posted on promotion/recruitment during the 1993-94 session in relaxation of provisions of KVS Transfer Guidelines at the instance of (i) the Chairman and (ii) Commissioner; and

(b) the reasons/conditions that warranted such transfer/posting in each case?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH): (a) Transfers in Kendriya Vidyalaya Sangathan in 1993-94 have been in accordance with its transfer guidelines. The transfers made on the orders of the Chairman and Commissioner, Kendriya Vidyalaya Sangathan are covered under the transfer guidelines.

(b) Does not arise.

सेब-फार्म के लिए उपजाऊ भूमि का अधिग्रहण

*580. **श्री महेश्वर सिंह : क्या कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि केंद्रीय सरकार ने एक सेब-फार्म चलाने के लिए कुल्लू जिले में सैंज के किसानों की उपजाऊ भूमि का अधिग्रहण किया था ;

(ख) यदि हां, तो कितनी भूमि का अधिग्रहण किया गया था और भू-स्वामियों

को मुआवजे के रूप में कुल कितनी धन राशि अदा की गई और कब अदा की गई ;

(ग) क्या यह भी सच है कि इस समय वहां एन० एस० सी० फार्म बीज तैयार कर रहा है ; और

(घ) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान इस फार्म में पैदा किए गए विभिन्न बीजों की वर्षवार मात्रा कितनी है ; और एन०एस०सी० को इस फार्म से वर्षवार कितना लाभ हुआ है?

कृषि मंत्री (श्री बलराम जाखड) : (क) जी, नहीं । तथापि, इस मंत्रालय के नियंत्रण में एक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम राष्ट्रीय बीज निगम ने बीज उगाने के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार के पशु पालन विभाग से 11.4 हैक्टेयर भूमि पट्टे पर ली थी ।

(ख) उपर्युक्त (क) के उत्तर को देखते हुए प्रश्न नहीं होता ।

(ग) और (घ) हिमाचल प्रदेश सरकार से पट्टे पर लिए गए फार्म में उत्पादित बीजों और लाभ/हानि का ब्यौरा दर्शाने वाला एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

विवरण

गत तीन वर्षों अर्थात 1990-91 से 1992-93 के दौरान उत्पादित किए गए विभिन्न फसलों के बीजों की मात्रा और लाभ तथा हानि का ब्यौरा इस प्रकार है : —

उत्पादित बीज की मात्रा

(मात्रा क्विंटल में)

फसल	वर्ष		
	1990-91	1991-92	1992-93
फराशबीन	17.95	27.25	10.84
गाजर	0.58	1.70	0.86
बंदगोभी	2.00	1.50	—
मटर	25.80	18.00	10.30
चुकन्दर	6.00	—	2.40
मूली	—	2.50	6.70
सलाद	—	0.10	—
शिमला मिर्च	—	0.20	—
शलगम	—	—	12.35
फूलगोभी	—	—	0.30
कुल :	52.33	51.25	43.75

लाभ/हानि

(लाख रुपए में)

वर्ष	लाभ (+)/घटा (—)
1990–91	(–) 1.68
1991–92	(–) 2.11
1992–93	(–) 0.41

Production of Cashewnut /

6014. SHRI KRISHAN LAL SHARMA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the production of cashewnuts in the country is sufficient to meet its internal and external requirement;

(b) if so, the details thereof during the last three years;

(c) whether it is also a fact that its demand is likely to reach seven lakh tonnes by the turn of the century; and

(d) whether any plan has been finalised to meet the situation and if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) It is roughly estimated that the demand of raw cashewnuts both for export and internal consumption is likely to reach 6 lakh tonnes by 2000 AD.

(d) In order to achieve production target of 6 lakh tonnes of cashewnut by 2000 AD, programmes are being implemented for development of cashew during 8th Plan with an outlay of 48.00 crores. The short term and long term measures being implemented for increasing production of cashewnuts include:—

(i) Increasing area under cashew through new planting and replanting with clones in an area of 42,700 ha. and 10,000 ha. respectively.

(ii) Intensive cultivation to improve production and productivity of cashew through adoption of comprehensive production technology in an area of 25,000 ha. and adoption of pest control measures in 1,45,800 ha.

(iii) Setting up 40 regional nurseries to generate adequate clonal material of recommended varieties.